











# कार्यशाला से मिलती है लोगों को नए आयाम की सीख

राजकीय महिला पीजी कॉलेज में आयोजन कार्यशाला में शिक्षकों व छात्राओं ने भाग लिया

नेहरू ग्राम्य भारती प्रयागराज, प्रो. एनके राना और प्रो. वृषा तारा डॉ. उमाकांत सिंह महात्मा गांधी कानूनी विद्यापीठ को और से उच्च स्तरीय व्याख्यान दिया। बलिया से प्रकाशित और राष्ट्रीय शोध जर्नल आर्गनिक शोध विकास पत्रिका का विमोचन अतिथियों ने किया।

राष्ट्रीय कार्यशाला में सतीश चंद्र बलिया कॉलेज, महिला महाविद्यालय, सहजानंद कॉलेज, पीजी कॉलेज, सत्यदेव डिग्री कॉलेज, सतीश चंद्र कॉलेज बलिया, इंडिकोरोमिशल तकनीक पर व्याख्यान दिया। डॉ. संजय भारती

कार्यक्रम को अध्यक्षता कर रही प्राध्यापिका प्रो. सविता भारद्वाज ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला बहु उपयोगी एवं आनंद प्रामाणिक है। प्रतिभागी ज्ञान के इस नए आयाम को सीखकर इससे लाभान्वित होंगे।

राष्ट्रीय कार्यशाला के संयोजक प्रो. वृषा तारा डॉ. संजय भारद्वाज ने कहा कि ज्ञान अपने आप में सम्पूर्ण होता है। यह कार्यशाला उस ज्ञान को सीखने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। सत्यानंद राय के विशिष्ट अतिथि भोज विश्वविद्यालय उज्जैन के प्रो. अनंद सिंह ने ज्ञान को परिधि मुक्त बताया।

राजकीय महिला पीजी कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में वी. गौरी उपगौरी जानकारी सत्यानंद राय में बोलते हुए प्रो. सिंह ने कहा कि ज्ञान अपने आप में सम्पूर्ण होता है। यह कार्यशाला उस ज्ञान को सीखने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। सत्यानंद राय के विशिष्ट अतिथि भोज विश्वविद्यालय उज्जैन के प्रो. अनंद सिंह ने ज्ञान को परिधि मुक्त बताया।

कार्यक्रम को अध्यक्षता कर रही प्राध्यापिका प्रो. सविता भारद्वाज ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला बहु उपयोगी एवं आनंद प्रामाणिक है। प्रतिभागी ज्ञान के इस नए आयाम को सीखकर इससे लाभान्वित होंगे।

राष्ट्रीय कार्यशाला के संयोजक प्रो. वृषा तारा डॉ. संजय भारद्वाज ने कहा कि ज्ञान अपने आप में सम्पूर्ण होता है। यह कार्यशाला उस ज्ञान को सीखने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। सत्यानंद राय के विशिष्ट अतिथि भोज विश्वविद्यालय उज्जैन के प्रो. अनंद सिंह ने ज्ञान को परिधि मुक्त बताया।